Raga of the Month June 2023 Raga Saindhavi, Sindura / Singhoda

राग सैंधवी, सिंदुरा / सिंघोड़ा

राग सैंधवी यह एक पुराना राग है। यह राग आजकल प्रचारमे नहीं है, मगर उसकी जानकारी पुराने ग्रंथोंमे मिलती है। इसीके नियम थोड़े शिथिल करनेसे हमें राग सिंदुराका (जिसे सिंघोड़ा इस नामसेभी जाना जाता है) स्वरूप मिलता है।

पहले हम राग सैन्धवीके बारेमे क्या जानकारी उपलब्ध है वह देखते है।

यह राग काफी थाटका होनेसे कोमल गंधार , कोमल निषाद और बाकी स्वर शुद्ध लगते है। आरोहमे ग और नि वर्ज्य हैं। षड्ज - मध्यम संवाद महत्वपूर्ण है। सैंधवी रागका स्वरूप इस प्रकार है। आरोह- सा रे म प ध सां । अवरोह- रें नि ध प म ध प ग रे, म- ग रे सा। म ध प ग रे , म- ग रे सा , सा रे म, म प ध सां ; ध सां रें गं रें सां , रें नि ध प म ध प ग रे, म- ग रे सा

राग सिंदुरा - स्केल - सा रे ग म प ध नि नि सां; आरोहमे शुद्ध निषाद का प्रयोग होता है । षड्ज वादी और संवादी पंचम है। सिंदुरा रागका स्वरूप इस प्रकार है।

सा रे म प ध म प नि सां; सां नि ध, म प ग रे, म ग रे सा ; नि सां रें गं रें सा , रें नि ध प म प ग रे, म ग रे सा.

आजके ऑडिओमे पंडित के जी गिंडेजीने राग सैंधवी और राग सिंदुरा के बारेमे लेक्चर डेमॉन्स्ट्रेशनमें दिया हुआ विवरण सुनेंगे। उसमे राग सैंधवीमें आलाप, झपतालमे एक बंदिश " आज नन्दलाल " और बादमे पंडित भातखण्डेजी रचित गणेश वंदना "बिघन बिनाशना " सुनेंगे और अन्तमे राग सिन्दूरामे एक बंदिश “एरी मेरे मुखपर डारो” सुनेंगे ।

संदर्भ : हिंदुस्तानी संगीत - पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग ६.
आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले, श्री अजय गिंडे.

१- ६ -२०२३

Link to the list of 140+ Raga of the month articles-

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx